4.4.2

Policy of the Department of Psychology

The Department of Psychology was established in the year 1973 at the graduate level and the Post-Graduation was as introduced in department in the year 1982.

The year 1995 witnessed major infrastructural changes with the department being shifted to the 'P' Block which now comprises of four rooms out of which one is the Experiment Lab.

The Department of Psychology bridges the gap between Science and Arts as such the policy matters focuses on this critical aspect, of psychology being a Behavioral Science with practicals as a major aspect of the syllabus.

The department has a very rich practical lab which has recently being upgraded with RUSA funds. New latest tests and experimental instruments have been added along with new additions to the departmental library.

The department follows the annual system at the undergraduate level and semester system at the Post Graduation level. The academic calendar includes the provision for CCE besides job oriented projects and internships. Regular departmental meetings ensure feedbacks are enacted upon and reforms are introduced as per the needs.

The department prides itself in having great applied value as such students are actively being involved in social and extension activities.

The departmental policy also includes contribution towards society by acknowledging the necessity of guidance and counseling services. Teachers in also engage in social services at their personal level. The department in keeping view with all its policy matters ensures empathy and sensitivity in dealing with students with in and across the campus.

Head of Department

Principal

PRINCIPAL
Govt. Hamidia Arts &
Commerce College, Bhopal (M.P.)

Digital Literacy club

The Digital Literacy club was constituted in the year 2018 in compliance with the Govt.'s initiation of digital literacy programmes like the National Digital Literacy Mission, the Digital Saksharta Abhiyan and the Pradhan Mantri Gramin Digital Saksharta Abhiyan. The inability to access and benefit from information and communication technology services due to lack of skills required to access these services is a common problem and is rightly termed Digital Poverty. It is with the aim to fight digital poverty that Digital Literacy club was formed with below mentioned aims and objectives as its mission that it endeavours to accomplish

Aims

- Enable increased digitisation
- To achieve digital literacy

Objectives

- Establish digital awareness
- Engage students in workshops and lectures on digital awareness
- Promote hands-on experience of using computers to students
- Promote life long self learning practice.

Seen

PRINCIPAL
Govt Hamidia Arts & Commerce College, Bhopal (M.P.)

(As. Deepshikha Shekhar)

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की प्रायोगिक कक्षाओं के संचालन हेतु आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक प्रयोगशाला है। जिसमें सभी सर्वे उपकरण थियोडोलाइट, सैक्सटेन्ट, क्लाइनोमीटर, डम्पीलेवल, प्रिज्मेटिक कम्पास, चेन टेप सर्वेक्षण उपकरण पर्याप्त मात्राा में उपलब्ध हैं। इस हेतु छात्रों को संबंधित प्राध्यापक के द्वारा प्रयोगशाला तकनीशियन के माध्यम से उपकरण उपलब्ध करवाये जाते है, तथा छात्र उनका अपनी सुविधानुसार प्रेक्टिस करते हैं।

इसके अलावा विभाग में ट्रेसिंग टेबल भी उपलब्ध हैं, तथा मौसम संबंधी उपकरणों का भी छात्र उपयोग करते हैं। छात्र अपनी प्रायोगिक कार्य हेतु विभाग में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाते हैं इस संदर्भ में विभाग में पर्याप्त मात्रा में विश्व के सभी प्रकार के मानचित्र, टोपोशीट, चट्टानों के नमूने भारत के सभी प्रकार के मौसम मानचित्र भी उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त विभाग में एक ओ.एच.पी. भी उपलब्ध है जिसका इस्तेमालन अध्ययन अध्यापन हेतु किया जाता है।

उपरोक्त सभी सुविधाओं का उपयोग छात्र अपने अतिरिक्त समय में भी कर सकते हैं विभाग ने इस हेतु प्रयोगशाला तकनीशियन को अधिकृत किया है। प्रयोगशाला तकनीशियन छात्रों को रजिस्टर में सामग्री इश्यू करते हैं छात्र सर्वे कार्य करके पुनः प्रयोगशाला तकनीशियन को जमा करते हैं। इस प्रकार विभाग अपनी प्रयोगशाला का कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न करता है।

17.8.21
विभागाध्यक्ष
डा. रजनी गुप्ता

प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt. Hamidia Arts & Commerce College, Bhopal (M.P.)

पर्यावरण क्रियान्वयन समिति

वर्तमान समय में मानव जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौती और महती आवश्यकता पर्यावरण के प्रदूषण से बचाना और पर्यावरण का संरक्षण कर सदैव प्रतिदिन बढ़ती जा रही प्राकृतिक आपदाओं से मानव-जीवन की सुरक्षा करना है।

विश्व, राष्ट्र, राज्य व पूरी सृष्टि इस दिशा में प्रयासरत है। इसी दृष्टिकोण से महाविद्यालय में भी पर्यावरण क्रियान्वयन समिति की स्थापना की गई है।

समिति का उद्देश्य - (Objectives)

समिति के गठन के निम्नांकित प्रमुख उद्देश्य हैं।

- छात्रों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाना और उनमें पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना।
- महाविद्यालय में पर्यावरण के अनुरूप व्यवस्थाओं की स्थापना हेतु प्रयास।
- प्रदूषण मुक्त प्रांगण की स्थापना का प्रयास।
- छात्रों के माध्यम से समाज में पर्यावरण संबंधी जागरूकता लाने का प्रयास करना।

एक्शन प्लॉन (Action Plan)

महामारी की वजह से सत्र 2020-21 में अधिकांश समय (फरवरी तक) छात्र महाविद्यालय में उपस्थित नहीं थे अतः ऑन लाईन व्याख्यान समिति सदस्यों के माध्यम से देकर उन्हें पर्यावरण का महत्व समझाया गया। पॉलिथीन का उपयोग न करने नदियों व तालाबों को संरक्षित रखने (उसमें कचरा न फेंकने) और वृक्षारोपण तथा अन्य प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया।

एक्शन - टेकन - रिपोर्ट (Action taken Report)

- ऑनलाईन व्याख्यान समिति के सदस्यों द्वारा दिया गया। जिसमें छात्रों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया गया व पर्यावरण की सुरक्षा हेतु प्रेरित किया गया।
- N.C.C के साथ मिलकर सितम्बर माह में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- ग्रीन क्लब का गठन किया गया। ग्रीन क्लब के द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में भीषण गर्मी से चिड़ियों की सुरक्षा हेतु दाने व पानी की व्यवस्था की गई।

वर्ष भर की गई समिति की गतिविधियां - (Activity)

उपरोक्तानुसार।

मीटिंग के मिनट्स (Minutes of Meeting.)

रिपोर्ट के साथ छाया प्रति संलग्न है।

PRINCIPAL
Govt Hamidia Arts & Commerce College, Bhopal (M.P.)

(Dr. APRAJITA SHARMA)

(Dr. Rachona Nishad)

(Dr. Mamta Ekka)

सांस्कृतिक प्रकोष्ठ

सत्र 2019-20 से सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अन्तर्गत विद्यार्थियों की गतिविधियों के साथ उनकी समुचित प्रतिभा का विकास करने के लिए इस प्रकोष्ठ का गठन महाविद्यालय में किया गया।

इस प्रकोष्ठ में वर्ष भर महाविद्यालय के विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतिभाओं को विकसित करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। उच्चशिक्षा विभाग एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से प्रसारित विभिन्न आदेशों के तहत तथा अकादमिक कैलेण्डर के अनुरूप विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों में सत्र के आरंभ से विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ आरंभ होती रही हैं। राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं देश की महान् विभूतियों की जयन्ती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रमों के सफल संयोजन हेतु विभिन्न वाद्ययंत्र यथा हारमोनियम तबला इलेक्ट्रोनिक तानपुरा आदि महाविद्यालय में क्रय किए गए हैं। गायन एवं नृत्य में संगत एवं संगीत प्रदान करने हेतु यह वाद्ययंत्र छात्रों के सहयोग हेतु उपयोग में लाए जाते हैं।

Birth anniversaries of great patriots निरन्तर scholars and leading humanaries

ॉडे प्लेयर एवं पोर्टेबल माइक भी हिन्दी विभाग के
माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।
महाविद्यालय में संगीत विभाग नहीं है किन्तु
विद्यार्थियों की अभिरुचियों को ध्यान में रखते हुए
उन्हें गायन वादन में प्रशिक्षण दिया गया और विद्यार्थियों
ने जिला स्तर, विश्वविद्यालय स्तर एवं राज्य स्तर
पर गायन एवं वादन में विजयी रहे। इसके अतिरिक्त
तबला वादन में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के
कलाकारों के कार्यक्रमों में सहभागिता हेतु शशांक मिश्रा (स्नातक स्तर कला संकाय
के विद्यार्थी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।
शशांक मिश्रा ने अलाउद्दीन खाँ अकादमी संगीत अकादमी तथा भारतभवन
के कार्यक्रमों में ख्यातिलब्ध कलाकारों के साथ संगत
की साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संस्था स्पिक मेके
से 28-2-2020 से छात्रवृत्ति भी प्राप्त की है।
गायन में सत्यम शर्मा (स्नातक स्तर वाणिज्य) ने
विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान
राज्य स्तर पर प्राप्त किया। सन 2019-20 में।
इसके अतिरिक्त सन 2019-20 में कला मंदिर संस्था
भोपाल से सम्मान मिला तथा 2018 में 'डॉ अजय
दुबे एवं डॉ अनिमेष दुबे संगीत (गायन) पुरस्कार'
सत्यम शर्मा ने प्राप्त किया। 02 अक्टूबर 18 को
माननीय राज्यपाल द्वारा अलंकरण समारोह में सम्मानित
किया गया। खादी ग्रामोद्योग बोर्ड मध्यप्रदेश
द्वारा भी दोनों सत्यम शर्मा एवं शशांक मिश्रा
5000/Rs की राशि से गायन वादन की विधा में
2018 में पुरस्कृत हुए।

अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में महाविद्यालय के छात्र शुभम चौहान ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के कार्यक्र के अन्तर्गत मणिपुर नागालैण्ड में महाविद्यालय ही नहीं अपितु भोपाल मध्यप्रदेश की ओर से प्रतिनिधित्व किया एवं अपनी प्रतिभाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त नेहरू युवा केन्द्र भोपाल के तत्वावधान में युवा सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रमों में महाविद्या के छात्रों ने अपनी प्रतिभाओं का परिचय दिया है।

डॉ. उषा शर्मा
प्रभारी
सांस्कृतिक समिति

PRINCIPAL
Govt. Hamidia Arts & Commerce College Bhopal (M.P.)

क्रीड़ा विभाग की योजनाएँ

उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन

''स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है, यही उच्च शिक्षा का उद्देश्य है।''

म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नियमित अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन संस्था, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर किया जाता है। ये प्रतियोगिताएं खेल विशेष में भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा निर्देशित पद्धति से आयोजित की जाती हैं।

- म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त खेल कैलेण्डर के अनुसार विभिन्न स्तरों पर टेबिल-टेनिस, फुटबॉल, हॉकी, क्रिकेट, कबड्डी, व्हॉलीबॉल, कुश्ती, एथेलेटिक्स, बॉस्केटबॉल, बैटमिन्टन, खो-खो, शतरंज, जूड़ो एवं योग का आयोजन महाविद्यालयों द्वारा किया जाता है।
- अंतर महाविद्यालयीन खेल प्रतियोगिताओं मे क्रासकंट्री, साफ्टबॉल, तैराकी, शूटिंग, जिम्नास्टिक, मलखम्ब, भारोत्तोलन, शरीर सौष्ठव, बॉल बैडमिंटन, हैण्डबॉल, रोप स्किपिंग, फेंसिंग, बॉक्सिंग, टेनिस, कराटे, तायक्वांडो, बूशू, बेसबॉल, क्याकिंग, केनोइंग आदि खेलों का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है।
- म.प्र. शासन द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों को महाविद्यालय द्वारा दैनिक भत्ता, यात्रा भत्ता, गणवेश एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।
- अंतर विश्वविद्यालयीन खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को दैनिक भत्ता, यात्रा भत्ता, गणवेश, ट्रैकसूट, ब्लेजर एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।
- उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासन द्वारा खेल प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।
- खेलों के माध्यम से रोजगार की अनेक संभावनाएं बनती हैं।

दैनिक भत्ता :

प्रत्येक स्तर की प्रतियोगिताओं में एवं प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता करने पर खिलाड़ियों को रु. 200/- प्रतिदिन की दर से दैनिक भत्ता प्रदान किया जाता है। स्थानीय स्तर पर दैनिक भत्ता रु. 100/- प्रतिदिन दिया जाता है।

पात्रता नियम :

- खेलकूद गतिविधियां नवीनतम संशोधित पात्रता नियमों, जिन्हें अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा मान्यता प्राप्त है, के अनुसार संचालित की जाती हैं।

खेल प्रतिभा पुरस्कार :

1. विश्वविद्यालय दल के प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी को रु. 500/- नगद दिया जाता है।
2. अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं को निम्नानुसार पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है।
   प्रथम पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ी - रु. 21,000/-
   द्वितीय पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ी - रु. 15,000/-
   तृतीय पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ी - रु. 11,000/-
3. क्षेत्रीय (जोनल) स्तर प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को
   प्रथम पुरस्कार - रु. 11,000/-
   द्वितीय पुरस्कार - रु. 7,000/-
   तृतीय पुरस्कार - रु. 5,000/-
4. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को राशि रुपये 3.00 लाख का नगद पुरस्कार दिया जाता है।

PRINCIPAL
Govt. Hamidia Arts & Commerce College, Bhopal (M.P.)

चित्रकला विभाग

विषय से संबंधित सैद्धान्तिक कक्षाओं एवं प्रायोगिक/क्रियात्मक कार्यो के लिए विभाग के पास अनेक उपकरण एवं संसाधन उपलब्ध है।

विभाग में ड्राइंग बोर्ड्स, इजल्स (लोहे एवं लकडी के), ओल्ड मास्टर्स प्रिन्ट्स, विद्यार्थियों के लिये पर्याप्त फर्निचर, सामग्री रखने के लिये पिज़न होल, डिस्प्ले बोर्ड, आदि उपकरण उपलब्ध है ।

विभाग के पास पोट्रेट पेंन्टिंग के लिये कार्यशाला, क्रियेटिव पेन्टिंग के लिये कार्यशाला एवं एक स्टोर रूम उपलब्ध है ।

विगत पांच वर्षो में विभाग से अध्ययन कर निकले छात्र–छात्रायें देश के विभिन्न अंचलों के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्यापन कार्य में सलंग्न है वहीं बहुत से विद्यार्थी ग्राफिक्स डिजाईनर, स्क्रीन प्रिन्टर, इंटीरियर डेकोरेटर एवं स्वतंत्र चित्रकार के रूप में इस विषय को अपनाकर अपना जीविकोपार्जन कर रहे है।

महाविद्यालय के वर्तमान उपलब्ध आंतरिक एवं बाहय संसाधनों, शहर के मध्य महाविद्यालय का स्थापित होना एवं विद्यार्थियों हेतु सभी क्षेत्रों से आवागमन की पर्याप्त सुविधाओं का उपलब्ध होना, महाविद्यालय के इर्द गिर्द विद्यार्थियों की प्रेरणा हेतु लगभग एक किलोमीटर के क्षेत्र में स्वराज भवन, रविन्द्र भवन, मध्यप्रदेश कला परिषद एवं भारत भवन का स्थित होना इसके ललित कला के वातावरण में वृद्धि करता है । दृश्य चित्रण हेतु महाविद्यालय के आस पास अनेक कलात्मक भवन एवं रमणीय स्थल विद्यमान हैं जिससे कृतियों का निर्माण करने और अभ्यास करने में प्रेरणा प्राप्त होती है एवं विभाग में अनुभवी प्राध्यापकों के पदस्थ होने के आधार पर यह विभाग मध्य प्रदेश के प्रमुख स्नातकोत्तर चित्रकला विभागों में से एक है।

Seen

PRINCIPAL
Govt. Hamidia Arts & Commerce College, Bhopal (M.P.)

डॉ. आलोक भावसार
विभागाध्यक्ष